Tc.No. : GUJHIN00722

पेज: 4, मुल्य 1 रु.

दैनिक

क्रांति समय

संस्थापक / संपादक : सुरेश मौर्या

E-mail: krantisamay@gmail.com, www.krantisamay.com

वर्ष: 2 अंक: 180 , 05 दिसम्बर, मंगलवार 2017, सूरत, हिन्दी दैनिक मो. 9879141480

4 ओ ब्लॉक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष, सचीन रेल्वे स्टेशन के पास, सूरत-गुजरात

सार समाचार

सरकार की वादाखिलाफी का विरोध करेगी भाजपा जेजे सेल

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा की झुग्गी-झोपड़ी व अनधिकृत कालोनी सेल दिल्ली सरकार के खिलाफ कॉलोनियों को नियमित न करने के मुद्दे पर अभियान चलाएगी। सेल का दावा है कि दिल्ली सरकार ने इस मामले में अपना किया हुआ वादा नहीं निभाया। भाजपा प्रदेश कार्यालय में हुई एक बैठक में जेजे व अनधिकृत कालोनी सेल के प्रदेश संयोजक उमेश वर्मा ने कहा कि दिल्ली सरकार ने चुनाव के समय वादा किया था कि जेजे कॉलोनियों को मालिकाना हक दिलवायेगी। इसके अलावा अनधिकृत कॉलोनियों को भी नियमित करने के वायदे को पूरा करने में दिल्ली सरकार नाकाम रही है। बैठक में तय किया गया कि जनवरी से इस विरोधी अभियान की शुरूआत की जाएगी। बैठक में जेजे सेल के सुभाष पांडेय, हरिशंकर कश्यप, धीरज कुमार, अंजनी श्रीवास्तव, मोनू भारती, केके श्रीवास्तव, गौरव शर्मा, प्रवीण सोलंकी, बिंदु झा, शिव दत्त, धर्मवीर एडवोकेट, अनिल राणा, संतोष कुमार, विजय बहादुर, अजित गुंजन व डॉक्टर आर बी सरोज मौजूद थे।

मोबाइल झपटकर भागे बदमाश दो घंटे में दबोचे

नई दिल्ली। साउथ रोहिणी थाना पुलिस ने झपटमारी कर फरार हो रहे दो बदमाशों को सूचना मिलते ही त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना के दो घंटे के भीतर दबोच लिया। आरोपियों की पहचान मनीष कुमार (28) और नवीन (32) के रूप में हुई। शनिवार के दिन शाम करीब चार बजे पुलिस पीसीआर को मनीष नामक युवक ने सूचना दी कि रोहिणी इलाके में स्थित एमटूके मॉल के पास झपटमारों ने उसका मोबाइल छीन लिया है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई, जहां से शिकायत कर्ता द्वारा घटना की पूरी जानकारी लेने के बाद इलाके में स्थित काली माता मंदिर के पास तलाशी करते हुए पुलिस ने दोनों बदमाशों को दबोचते हुए मोबाइल फोन बरामद कर लिया।

एचआईवी की दवा चोरी कर भागे चोर

नई दिल्ली। बुराड़ी थाना इलाके में चोर एचआईवी की दवा चोरी कर फरार हो गए। वारदात इलाके में स्थित एक गैर सरकारी संगठन के कार्यालय में हुई, जहां सेंधमार ताला तोड़कर अन्य सामान सहित एचआईवी से ग्रसित मरीजों की दवा भी चोरी कर ले गए। वारदात का पता चलने पर एनजीओ में कार्यरत गाजियाबाद निवासी महेन्द्र सिंह रावत (33) ने चोरी का केस दर्ज कराया। केस दर्ज कर पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। पुलिस के मुताबिक बुराड़ी में गली नम्बर-4 स्थित केएच-4/5 इमारत की पहली मंजिल पर ''आधार' नामक एनजीओ का कार्यालय है। यह एनजीओ एचआईवी की रोकथाम और इससे पीड़ित लोगों के लिए काम करता है। शिकायतकर्ता महेन्द्र सिंह रावत ने कार्यालय में चोरी का मामला दर्ज कराते हुए पुलिस को बताया कि 30 नवम्बर की शाम वह कार्यालय में अच्छी तरह से ताला लगाकर गए थे। 2 दिसम्बर की सुबह साढ़े दस बजे कार्यालय पहुंचे तो पाया कि बड़ी मात्रा में एचआईवी की दवा और वहां रखा कंप्यूटर गायब है। उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचित कर केस दर्ज कराया। केस दर्ज कर पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

बैंक अधिकारी बन ठगने वाले युवक-युवती धरे गए

नई दिल्ली। नेब सराय थाना पुलिस ने एक युवती समेत दो लोगों को बैंक अधिकारी बन फोन कर लोगों से ठगी के आरोप में गिरफ्तार किया है। पकड़े गए ठगों की पहचान मधु विहार निवासी साधना (23) व सूरज (24) के रूप में की गई है। पुलिस पूछताछ में दोनों ने बताया कि वह खुद को बैंक अधिकारी बताकर लोगों को फोन करते थे और लोगों से क्रेडिट व डेबिट कार्ड की जानकारी हासिल कर उनके खाते से ऑनलाइन रपए ट्रांस्फर कर अपने खाते में डाल लेते थे। पुलिस उपायुक्त रोमिल बानिया के मुताबिक कुछ दिन पहले इस संदर्भ में संगम विहार निवासी राजीव रंजन ने फोन पर बैंक की गोपनीय जानकारी लेकर ऑनलाइन 18 हजार रपए की ठगी का मामला दर्ज कराया था। जिसे गंभीरता से लेते हुए इंस्पेक्टर कुलदीप सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने छानबीन शुरू की। टीम को एक गुप्त सूचना के आधार पर पता चला कि उत्तम नगर में बैंक के फर्जी कॉल सेंटर चलाए जा रहे हैं। सूचना के आधार पर उक्त स्थान पर दबिश देकर पुलिस ने आरोपी सूरज को मौके से गिरफ्तार कर लिया। पकड़ा गया युवक उत्तम नगर में साधना क्रिएशन के नाम से फर्जी कॉल सेंटर चला रहा था।

राजधानी में वायु प्रदूषण के चलते दिल्ली शर्मसार

तो क्या अंतरराष्ट्रीय खेलों के लायक नहीं रही दिल्ली

नई दिल्ली। भाजपा विधायक मनजिंदर सिंह सिरसा ने रविवार को कहा कि राजधानी में प्रदूषण से निपटने में केजरीवाल सरकार की नाकामी के कारण भारत को श्रीलंका के साथ क्रिकेट मैच के दौरान शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा है। भाजपा विधायक ने एक वक्तव्य जारी कर कहा कि केजरीवाल सरकार ने प्रदूषण से निपटने के लिए एक भी पैसा खर्च नहीं किया और इस मामले में वह पूरी तरह विफल रही है।

सरकार ने समय रहते एहतियाती कदम उठाए होते और प्रदूषण से निपटने के उपाय किए होते तो देश को उस समय शर्मिंदगी का सामना नहीं करना पड़ता जब श्रीलंकाई खिलाड़ियों ने मैदान में प्रदूषण की शिकायत की। उन्होंने कहा कि यह शर्मनाक है कि श्रीलंकाई खिलाड़ी मास्क पहनकर खेल रहे थे और एक समय उन्होंने खेलने से इनकार कर अपने क्रिकेट बोर्ड से इसकी शिकायत की। सिरसा ने कहा कि इस बारे में उन्होंने दिल्ली के उप राज्यपाल से भी बात की है। अंतरराष्ट्रीय खेलों के आयोजन स्थल के रूप में दिल्ली की काबिलियत

दिल्ली सरकार की नाकामी से उठानी पड़ी शर्मिंदगी

सवालों के घेरे में है। दिल्ली में हवा की खराब गुणवत्ता की हकीकत रविवार को उस समय सामने आ गई जब वायु प्रदूषण के चलते फिरोजशाह कोटला मैदान श्रीलंकाई क्रिकेटरों ने फिल्डिंग करने से इनकार कर दिया। बाद में क्रिकेटर मास्क लगाकर फिल्डिंग के लिए मैदान में उतरे। उल्लेखनीय है कि एक महीने में दूसरी बार दिल्ली की छवि को करारा झटका लगा है।

धुएं और धुंध भरे हालात के बीच ही 19 नवम्बर को दिल्ली हाफ मैराथन का आयोजन किया गया था। विशेषज्ञों का कहना है कि धुआं, धुंध और हानिकारक गैसें घर से बाहर काम करने वालों के लिए नुकसानदेह हैं।

केंद्रीय प्रदूषण नियंतण्रबोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक, पीएम2.5 और पीएम10 दिल्ली की हवा में शामिल सबसे प्रमुख प्रदूषक कण हैं, लेकिन नाइट्रोजन डाइऑक्साइड और जमीनी स्तर के ओजोन (3) जैसी जहरीली गैसों की मौजूदगी भी बहुत ज्यादा है। स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि साल के इस वक्त में हवा की गुणवत्ता बेहद खराब हो जाना आम है, पर श्रीलंकाई क्रिकेटरों ने मास्क लगाकर दिल्ली सरकार की ओर से हाल में जारी स्वास्थ परामर्श की अहम बातों का पालन किया होगा। सरकार ने परामर्श जारी कर कहा था कि जिस वक्त प्रदूषण चरम पर रहता है उस वक्त एन 95 मास्क लगाएं।दिल्ली प्रदूषण नियंतण्रकमेटी के एक अधिकारी ने बताया कि प्रदूषण का स्तर बेहद खराब श्रेणी में है।

साल के इस वक्त ऐसा होना आम है। मौसम की स्थितियों के हिसाब से प्रदूषक कणों के स्तर में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। लेकिन मुझे नहीं पता कि मास्क लगाकर खुले में खेलने की सलाह दी जा सकती ह।

मौसम विभाग ने कहा कि हवाएं धीमी चलने और नमी के साथ शांत दशाओं के कारण प्रदूषण के स्तर में बढ़ोतरी हुई है। विभाग ने पांच और छह दिसम्बर को हल्की बारिश की संभावना जताई है।

विजेंद्र ने केजरीवाल से पूछे पांच सवाल

शिक्षा मंत्री दे रहे तयहीन बयान

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेन्द्र गुप्ता मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल को एक खुला पत्र लिख कर दिल्ली के सरकारी व सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में शिक्षा के स्तर को लेकर अपनी गंभीर चिंता व्यक्त की हैं। उन्होंने कहा कि उप मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री स्कूलों की शिक्षा के स्तर को सुधारने के बजाए इस संवेदनशील मुद्दे का राजनैतिक करण कर रहे हैं। गुप्ता ने मुख्यमंत्री से इस मुद्दे पर तत्काल जवाब की मांग की है। गुप्ता ने कहा कि उन्होंने शिक्षा निदेशालय द्वारा जारी किए गए तयों के आधार पर इस मुद्दे को उठाया था । उन्होंने कहा कि उन्हें आशा की थी कि सरकार इस मामले में गंभीरता से उनके द्वारा उठाए गए सवालों का संजीदगी से उत्तर देंगी। लेकिन शिक्षामंत्री ने उनके द्वारा उठाए गए सवालों का उत्तर नहीं दिया बल्कि उनका ध्यान दूसरे राज्यों के शिक्षा स्तर पर बांटने का प्रयास किया है। शिक्षा मंत्री दिल्ली में स्कूली शिक्षा के लिए जिम्मेदार है। ऐसा करके सरकार दिल्ली के लोगों को जान बूझकर गुमराह करने का प्रयास कर रही है। गुप्ता ने दिल्ली सरकार से प्रश्नों जवाब मांगते हुए कहा कि वर्ष 2012-13 के मुकाबले वर्ष 2016-17 में दिल्ली के सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में छात्रों की संख्या व उनके परीक्षा परिणाम में गिरावट नहीं आई है। उन्होंने कहा कि क्या सरकारी स्कूलों में छात्रोंकी संख्या 1300से 1700 के आसपास है उन स्कूलों को 2.5 घंटे के हिसाब से चार पालियो में नहीं चलाए जा रहेहै। क्या यह इस तरह की पढ़ाई किसी और स्कूल में हो रही है।

गुप्ता ने शिक्षामंत्री से पूछा है उप मुख्यमंत्री बार बार स्कूलों की इमारतों के निर्माण के लिए जगह की कमी का रोना रोते है लेकिन क्या यह सचाई नहीं है की दिल्ली सरकार के पास स्कूलों के लिए 29 खाली प्लाट उपलब्ध है जहा निर्माण के लिए एक भी ईट नहीं लगायी गयी है। उन्होंने कहा कि सरकार 8000 से अधिक कक्षा के लिए कमरों के निर्माण का दावा करती है परन्तु जो भी कमरे बनाए गए है वह केवल अस्थायी प्रकृति के आधे पक्के निर्माण है जो बच्चो की गर्मी और ठण्ड से बचाव नहीं करते है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के स्कूलों में प्रधानाचार्यों के 75 प्रतिशत पद रिक्त है और अध्यापको के 27 हजार पद खाली है और इसके बावजूद 82 प्रधानाचार्यों व अध्यापकों को शिक्षा निदेशालय में प्रशासनिक कायरे के लिए भेजा गया है जिसका शिक्षा कायरे पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। भाजपा नेता ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद् केजरीवाल इस खुले पत्र को रद्दी की टोकरी में न डाल उनके द्वारा उठाये गए सवालों का जल्द से जल्द जवाब देंगे।

हवाई अड्डे पर फर्जी टिकट के साथ यात्री गिरफ्तार

नई दिल्ली। आईजीआई एयरपोर्ट के टर्मिनल 3 से एक यात्री को फर्जी टिकट से कनाडा जाने के प्रयास के दौरान यात्री को सीआईएसएफ के सुरक्षा अधिकारी ने जांच के हिरासत में लेकर पुलिस का सौंप दिया। रविवार को सुबह एक व्यक्ति कनाडा जाने के लिए आईजीआई एयरपोर्ट के टर्मिनल 3 पर पहुंचा था। चेक इन प्वाइंट पर जांच के दौरान सीआईएसएफ के सुरक्षा कर्मी ने यात्री के टिकट पर शक हुआ तो उसने संबंधित एयर लाइंस से जानकारी ली तो टिकट के फर्जी होने का पता चला। टिकट के फर्जी होने की जानकारी मिलते ही चलते ही उसे हिरासत में लेकर मामले की जानकारी पुलिस को दी। आईजीआई एयरपोर्ट पुलिस ने एयरपोर्ट पहुंचकर आरोपित को हिरासत में ले लिया। आरोपित के खिलाफ अपराधिक प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सोमवार को राजपथ के आस छाया स्मॉग।

राजधानी में बढ़ा प्रदूषण का स्तर :

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी व एनसीआर में रविवार सुबह सर्द रही और न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री कम आठ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विज्ञान विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि सुबह साढ़े आठ बजे हवा में आर्दता 92 प्रतिशत दर्ज की गई। वहीं दृश्यता 800 मीटर रही। वैज्ञानिक ने आज दिन में आंशिक रूप से बादल छाए रहने का पूर्वानुमान लगाया है। विभाग के एक अधिकारी ने कहा, अधिकतम तापमान के 26 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है।

दिव्यांग के साढ़े तीन लाख रपए चुराकर चार महिलाएं फरार

नई दिल्ली। साकेत थाना क्षेत्र में चार महिलाएं बैंक में रपए जमा कराने गए एक दिव्यांग के साढ़े तीन लाख रपए चुराकर फरार हो गई। पीड़ित का नाम महेन्द्र कुमार (44) है। पीड़ित का दूध का कारोबार करता है और एक पैर से दिव्यांग हैं। वारदात के तुरंत बाद पीड़ित ने पुलिस को सूचना देकर केस केस दर्ज कराया गया। बैंक में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने पर पता चला कि चार महिलाओं ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। एक पुलिस अधिकारी के मुताबिक 30 नवम्बर को संगम विहार इलाके में मदर डेयरी और डीएमस दुध का कारोबार करने वाले महेन्द्र रोज की तरह साकेत स्थित एसबीआई बैंक में अपने दोस्त मोनू के साथ नकदी जमा कराने गए थे। काउंटर पर पहुंचे तो कैशियर सीट पर नहीं था। साढ़े तीन लाख रपए निकालकर काउंटर पर अंदर की तरफ रख दिए। दिव्यांगता के चलते खड़े रहने में परेशानी के कारण व वह वहीं कुर्सी पर बैठकर कैशियर के आने का इंतजार करने लगे। इस दौरान वहां आई दो महिलाएं लोगों के साथ वहीं खड़ी हो गई और मौका मिलते ही काउंटर पर रखी नकदी चोरी कर फरार हो गई। थोड़ी देर बैठने के बाद महेन्द्र ने उठकर काउंटर देखा तो कैश गायब था।

विश्वास ने कार्यकर्ताओं से किया संवाद बोले, ''बैक टू बेसिक' मुद्दे पर करेंगे काम

आम आदमी पार्टी 'वर्जन-2'' बनाएंगे कुमार

नई दिल्ली। कुमार विास के ''बैक टू बेसिक'' फामरूले पर पूर्व मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा है कि एके और जैन को हटाने से पहले किसी वापसी के लिए तैयार नहीं हूं। ये भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन था। मैं इकलौता मंत्री रहा, जिस पर भ्रष्टाचार का कोई आरोप नहीं है। पार्टी में निष्कासन की प्रकिया को लेकर कोई नोटिस नहीं दिया जाता है। मुझे बाहर निकालना केजरीवाल के बस की बात नहीं। आप के वरिष्ठ नेता कुमार विास ने रविवार को पार्टी मुख्यालय पर कार्यकर्ताओं के साथ संवाद स्थापित किया। हालांकि कुमार के साथ पार्टी का कोई परिचित चेहरा नहीं दिखा। बमुश्किल दो सौ कार्यकर्ता ही कुमार से संवाद स्थापित करने पहुंचे थे।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से संवाद स्थापित करते हुए कहा कि वह ''बैक टू बेसिक' के मुद्दे पर काम करेंगे।

उन्होंने ऐलान किया कि वह आम आदमी पार्टी ''वर्जन-2'' बनाएंगे। हालांकि उन्होंने साफकिया कि ''वर्जन-2' का मतलब नई पार्टी नहीं है बल्कि इसका मतलब पार्टी को ''बैक टु बेसिक' पर लाना है। कुमार विास ने रविवार को पार्टी ऑफिस में कार्यकर्ताओं से अलग-अलग ग्रुप में मुलाकात की।

कई कार्यकर्ताओं ने विधायकों को लेकर अपनी शिकायत कुमार को बताई तो कुछ लोगों ने कहा कि पार्टी में आपसी मतभेद दूर होने चाहिए। क्या था वर्जन-1? :सवाल पूछे जाने पर कुमार ने कहा कि ''वर्जन-1 के दौरान जंतर-मंतर पर पार्टी की लॉन्चिंग हुई। हम लोगों ने तय किया कि सभी छोटे से छोटा फैसला कार्यकर्ता के बजाय मतदाता से पूछकर

करेंगे, जब हमने टिकट देते वक्त पहली बार कार्यकर्ताओं को पंजीकृत किया, कार्यकर्ताओं की वोटिंग के आधार पर टिकट दिया। हमने कहा था कि कैरक्टर, क्रिमिनल बैकग्राउंड, करप्शन पर कोई समझौता नहीं होगा, हमने कहा था कि फैसलों में पारदर्शिता होगी।

''वर्जन-2'' का मतलब : कुमार ने कहा है कि ''वर्जन-2' का मतलब नई पार्टी बनाना नहीं है। ''वर्जन-2 का मतलब है इसमें कुछ एंटी-वाइरस लगाए जा रहे हैं। ऐंटी-वाइरस हैं कार्यकर्ताओं के। कार्यकर्ता सच-सच बताएंगे।

कार्यकर्ता बताएंगे कि संगठन में कहां दिक्कत हो रही है और विधायक कैसा काम कर रहे हैं?'जब हम रामलीला मैदान से चले थे तो 5 लाख थे, इस बार जब हम रामलीला मैदान में थे तो पांच हजार कुर्सियां थीं।

पांच लाख से पांच हजार की यात्रा के बीच जो जनता हमसे छूटी है, वह वाइरस की वजह से छूटी है। कई वजहों से लोग नाराज हुए हैं।'राज्यसभा का फैसला कार्यकर्ताओं का मन जानकर : एक सवाल के जवाब में कुमार ने कहा कि अगर पार्टी आगे बढ़ेगी तो राज्यसभा और लोकसभा पहुंचेगी, लेकिन पार्टी के सीनियर और योग्य लोगों की इसलिए राजनीतिक हत्या कर देना कि इनके मरने से रिजर्वेशन अगेंस्ट कैंसिलेशन (आरएसी) कन्फर्म होगी, तो ऐसे चेहरों को पहचानने की जरूरत है, जो जंतर-मंतर से लेकर रामलीला मैदान तक नहीं आए, पर सरकार बन गई तो आ गए। उन्होंने कहा कि राज्यसभा कौन जाएगा, इसके लिए कार्यकर्ताओं का मन जानकर सही समय पर फैसला लिया जाएगा।हम साथ-साथ हैं.: क्या इस ''बैक टु बेसिक' के लिए अरविंद केजरीवाल साथ हैं, क्या वह भी चाहते हैं? इस सवाल पर कुमार विास ने कहा कि पार्टी का आंदोलन केजरीवाल की ''स्वराज' किताब के अनुसार खड़ा हुआ तो वह क्यों नहीं चाहेंगे। कुमार ने कहा, ''भाषण में मैंने कहा था कि पहले देश को, फिर दल को और फिर नेता को रखो। अरविंद ने मेरे बाद अपने भाषण में इसे दोहराया।

क्या कपिल मिश्रा वापस आएंगे? :

कपिल की वापसी को लेकर पूछे गए सवाल पर कुमार ने कहा कि ''कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई की विधिक प्रक्रिया की वजह से बाहर गया है तो वह प्रक्रिया पूरी होने के बाद अंदर आएगा। कोई अमानतुल्ला वाला केस नहीं है कि अचानक निकाल दिया और अचानक वापस ले लिया। पार्टी ऐसे नहीं चलेगी।' उन्होंने कहा, ''कई लोग जो बाहर गए हैं, अंजलि दमानिया से लेकर सुभाष वारे तक और योगेंद्र यादव से लेकर प्रशांत भूषण तक, उनसे कार्यकर्ता अलग-अलग स्तर पर संवाद कर रहे हैं। हमसे भी कुछ

एके और सत्येंद्र को हटाने से पहले वापसी को तैयार नहीं : कपिल

गलतियां हुई होंगी तो उनके लिए हम हाथ जोड़कर माफी मांग रहे हैं।

' कुमार पर आप की नजर : कुमार

आयोजित कार्यकर्ता संवाद पर आप का शीर्ष नेतृत्व वेट एंड वच की मुद्रा में है। आप नेतृत्व फिलहाल विास को मिलने वाले समर्थन का आंकलन कर रहा है। पार्टी मानकर चल रही है कि दो-तीन बैठकों के बाद विास की संवाद की हवा निकल जाएगी। यही वजह रही कि रविवार की बैठक पर पार्टी का कोई नेता औपचारिक स्तर पर बात करने को तैयार नहीं दिखा। बस इतना भर बताया गया कि विास आप की पीएसी के सदस्य हैं। वह पार्टी दफ्तर आने के साथ कार्यकर्ताओं से मुलाकात भी कर सकते हैं। इसमें ऐसा कुछ भी नहीं, जिसे पार्टी के खिलाफ माना जाए।

पार्टी सूत्र बताते हैं कि जून महीने में आप की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में विास को पार्टी नेतृत्व के साथ चलने को कहा गया था। बैठक में कुमार विास के अलावा 36 में से 35 सदस्यों ने विास की दलीलों से राजी नहीं थे। उनसे सिर्फ राजस्थान पर फोकस करने को कहा गया था। सूत्रों की मानें तो शुरुआती कुछ दिनों तक ठीक रहा, लेकिन विास दोबारा सार्वजनिक फोरम पर दूसरे वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ तंज कस रहे हैं।

पार्टी मान रही है कि विास के कार्यकर्ता संवाद सम्मेलन में दो-तीन बैठकों के बाद न तो इसमें मीडिया की दिलचस्पी रहेगी और न ही कार्यकर्ताओं की भी।

तिहाड़ जेल के अफसरों को कोर्ट की फटकार

द **नई दिल्ली।** दिल्ली की एक अदालत ने तिहाड़ जेल के अधिकारियों को फटकार लगाते हुए कहा कि वह न्यायपालिका की ओर से विचाराधीन कैदियों के संरक्षक के तौर पर काम करते हैं और उन्हें बेहतर चिकित्सा सुविधा, इलाज और भोजन उपलब्ध कराना उनकी जिम्मेदारी है। अदालत ने अपनी ओर से पहले जारी किए गए निर्देशों का अनुपालन न करने के लिए अधिकारियों पर रोष जताया है। जेल में आवश्यक उपचार और भोजन सुविधा मुहैया कराने के लिए कुछ कैदियों द्वारा दाखिल आवेदनों पर अदालत ने कहा कि तिहाड़ जेल के अधिकारी, विचाराधीन कैदियों की स्थिति और इलाज के प्रति पूरी तरह लापरवाह प्रतीत होते हैं। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अजय पांडे ने केंद्रीय कारागार में कैदियों की सुरक्षा और सलामती पर जारी विवाद के मद्देनजर यह टिप्पणियां की हैं। दिल्ली उच्च न्यायालय ने हाल ही में कहा था कि कई विचाराधीन कैदियों पर कथित हमले बेहद निराशाजनक हैं। उच्च न्यायालय ने जेल में हो रहे कथित अत्याचारों की जांच के लिए एक पैनल गठित किया है।

डीटीसी, क्लस्टर बसों में सीसीटीवी कैमरे लगाने की प्रक्रिया शुरू

नई दिल्ली। दिल्ली परिवहन विभाग ने 6,350 डीटीसी और क्लस्टर बसों में कैमरे लगाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह प्रक्रिया एक कंसलटेंट की सेवा लेने के लिए आग्रह प्रस्ताव के साथ शुरू की गई है।एक अधिकारी ने बताया कि कंसलटेंट सिस्टम इंटीग्रेटर की पहचान करने में मदद करेगा जो समूचे हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर, रखरखाव और परियोजना के लिए कार्यबल तथा इसे कम से कम पांच साल के लिए क्रियान्वित करने को जिम्मेदार होगा।

अच्छी किताब एक जादुई कालीन की तरह है जो आहिस्ते से हमें उस दुनिया की सैर कराती है जहां दूसरी किसी चीज के जरिए हम प्रवेश नहीं कर सकते
-कैरोलीन गॉर्डोन

''कर आतंक'

कांग्रेस ने संभावना की थोड़ी-सी आहट देख कर गुजरात में अपना सब कुछ झोंक दिया है। राहुल की मंदिर यात्राओं और जनेऊ धारण प्रकरणों के बाद आर्थिक मोर्चे पर मोदी सरकार को घेरने की कवायद के रूप में कांग्रेस ने पूर्व प्रधानमंत्री और विख्यात अर्थशास्त्री मनमोहन सिंह को चुनाव प्रचार के अखाड़े में उतार दिया है। मनमोहन सिंह ने मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों की आलोचना करते हुए जीएसटी और खासकर, नोटबंदी पर अपना हमला जारी रखा। सूरत की एक सभा में उन्होंने याद दिलाया कि नोटबंदी से देश में 100 से अधिक लोगों की मौत हो गई, लाखों लोग बैंकों की लाइनों में बुरी तरह परेशान हुए और मोदी सरकार के इस गैर जिम्मेदार कदम से देश की अर्थव्यवस्था को लगभग 1.5 लाख करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचा। 8 नवम्बर, 2016 को देश के लोकतंत्र और अर्थव्यवस्था के लिए एक काला दिन बताते हुए उन्होंने इसे काले धन को सफेद करने की साजिश बताई। उन्होंने यह भी जोड़ा कि जीडीपी वृद्धि दर पहली तिमाही के दौरान गिर कर 5.7 फीसद पर आ गई। उन्होंने अपनी सरकार के आर्थिक प्रदर्शन से इसकी तुलना करते हुए कहा कि अगर जीडीपी वृद्धि दर 6.7 फीसद तक आ जाती है तो भी यूपीए सरकार के 10 वर्षों की 10.6 फीसद की औसत वृद्धि के मुकाबले कम रहेगी। और इस तय के बावजूद कि जीएसटी के वर्तमान स्वरूप को आकार देने में यूपीए की, उनकी सरकार की बड़ी भूमिका रही है, मनमोहन सिंह ने जीएसटी को ''कर आतंक' करार दिया और कहा कि इससे व्यवसायियों और व्यवसाय दोनों ही बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। हालांकि जीडीपी के परसों के आशाजनक आंकड़ों से जाहिर होता है कि देश की अर्थव्यवस्था नोटबंदी और जीएसटी के झटकों से उबरने लगी है। इसके अतिरिक्त, हमें यह भी ध्यान देना होगा कि मोदी सरकार के नोटबंदी और जीएसटी जैसे कदमों को देश की विकास दर में तात्कालिक वृद्धि के लिए उठाए गए कदमों के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। नोटबंदी एवं जीएसटी तथा आर्थिक सुधार के लिए उठाए जाने वाले इन तमाम कदमों से और वह भी अगर सही तरीके से उनका कार्यान्वयन किया गया तो भी केवल मध्यकालिक अवधि में ही वृद्धि की संभावना दिखेगी। इन कदमों से देश की अर्थव्यवस्था को स्थायी लाभ हासिल होता है या नहीं, इसके लिए अभी लंबा इंतजार करना होगा।

विरोधी पार्टीयों

उत्तर प्रदेश नगर निकाय चुनावों में भाजपा को मिली सफलता पहली नजर में यह दर्शाती है कि आठ महीने की योगी सरकार के खिलाफ जनअसंतोष अभी नहीं है। यह कहकर उसकी विजय को कम नहीं किया जा सकता है कि शहरी निकायों में तो वह हमेशा से आगे रहती है। आखिर अन्य तीन प्रमुख पार्टियों सपा, बसपा एवं कांग्रेस ने भी पहली बार चुनाव चिह्न पर अपने उम्मीदवार उतारे थे। स्थानीय चुनाव होते हुए सभी पार्टियों ने इसे राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक फलक दिया था। विपक्ष यदि मोदी तथा योगी सरकार की आलोचना करता था तो भाजपा भी अपने कामों को गिनाती थी। इस नाते अपने चरित्र के विपरीत नगरीय निकायों का यह चुनाव स्थानीय नहीं रह गया था। तो इसके मायने में भी उसी रूप में निकाले जाएंगे। मसलन, जीएसटी को सभी विरोधी पार्टियों ने सरकार के खिलाफ मुद्दा बनाया था। सोच यह भी कि शहरी क्षेत्रों में व्यापारी वर्ग की संख्या ज्यादा है और वे जीएसटी पर सरकार से नाराज हैं।

परिणामों में अगर ऐसा नहीं दिखा तो इसका निष्कर्ष यही है कि अगर व्यापारियों में जीएसटी को लेकर असंतोष हैं भी तो यह उस सीमा तक नहीं है कि भाजपा के खिलाफ वे एकमुश्त मतदान कर दें। भाजपा ने यकीनन इससे राहत की सांस ली होगी। सपा के लिए इस चुनाव परिणाम का निष्कर्ष यह है कि उसके खिलाफ जनता में कायम माहौल का अंत नहीं हुआ है। यानी उसे जनता को मनाने तथा अपने प्रति विास पैदा करने के लिए काफी काम करने की आवश्यकता है। कांग्रेस की जैसी दुर्दशा हुई है उससे उसको सबक लेना चाहिए। चुनाव परिणाम ने साफ कर दिया है।

प्रदेश में संगठन तथा रणनीति दोनों स्तरों पर उसे सबसे ज्यादा पसीना बहाने की आवश्यकता है। बसपा के लिए यह चुनाव अस्तित्व का प्रश्न था। दो नगर निगमों के अध्यक्ष पद पर विजय के साथ उसे थोड़ी सफलता मिली है। किंतु यह उतनी नहीं है जिसे मान लिया जाए कि उसके अस्तित्व पर कायम संकट खत्म हो गया है। हां, यदि वह फिर से दलित एजेंडा पर काम करे तो स्थिति थोड़ी बेहतर हो सकती है। स्थानीय निकाय से जनता का सीधा जुड़ाव होता है। इसलिए भाजपा को मिली सफलता के साथ उसकी जिम्मेवारी भी बढ़ गई है। उसके प्रतिनिधियों को जनता की अपेक्षाओं का ध्यान रखना होगा।

सत्संग

असत्य

दुनिया में जो कुछ बाहर है, वही सही है, लेकिन सच्चाई यह है कि जो भीतर की यात्रा कर लेता है, वही बाहर के असत्य को जान पाता है। आदमी सवाल करता है कि मैं कौन हूं? इसके जवाब के लिए वह कहां-कहां नहीं भटकता,लेकिन फिर भी उसे सही उत्तर नहीं मिल पाता है। आखिर क्यों? उसे यह आभास होता है कि मेरा शरीर ही मैं हूं और मेरे सिवाय किसी वस्तु का कोई अस्तित्व नहीं। ऐसे में वह धोखा खा जाता है, क्योंकि वह अपने शरीर के बाह्य आवरण को निहारने में ही अपनी सारी उम्र बीता देता है। फिर शिकायत करता है कि परमात्मा ने उसके साथ छल किया है। वह अपने शरीर के अंतर को समझने की कोशिश ही नहीं करता है, जबकि सच्चाई यह है कि परमपिता उसके हृदय में बैठे-बैठे मुस्कुरा रहे होते हैं। दुनिया का सबसे बड़ा आश्चर्य यही है कि हमने स्वयं को जाना नहीं। हथौड़े ने चाबी से कहा, तुम्हारी तुलना में मैं अत्यधिक शक्तिमान हूं, फिर भी तुम इतनी आसानी से ताले को कैसे खोल लेते हो। चाबी ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, तुम ताले के बाहरी सतह को स्पर्श करते हो, जबकि मैं उसके हृदय को छूती हूं। बात इतनी-सी है कि जो भीतर की यात्रा कर लेता है, वही बाहर के असत्य को जान पाता है और यही साधना है। पूरी साधना यात्रा में देखना ही साधक का सबसे बड़ा सूत्र है, क्योंकि जब हम अंतर्मन में देखते हैं, तब सोचते नहीं है और जब हमारा दिमाग सोचना बंद कर देता है, तभी हमारा साक्षात्कार सत्य से होता है। हालांकि इस बीच विचारों का सैलाब आ जाता है। विचार-दर-विचार। इसमें मन-मस्तिष्क बेतरतीब उलझ जाता है, लेकिन अंत में जब आपका मन इन विचारों को पकड़ लेता है और इन पर विराम लगा देता है, तो सब कुछ शून्य हो जाता है। यही शून्य सत्य है। जब आप सत्य को प्राप्त कर लेते हैं, तो साधना सिद्ध हो जाती है और हम सफल साधक। लेकिन वर्तमान दौर में हम इसका बिलकुल उल्टा कर रहे हैं। उदाहरण के लिए, आपको क्रोध कम करना है, तो उस पर नियंतग्र की कोशिश नहीं करते, बल्कि उसके साथ कबड्डी लड़ने लग जाते हैं। परिणामस्वरूप वह कम होने की बजाय और उग्र हो जाता है। इसी तरह, अंधकार से लड़ने की जरूरत ही नहीं है, बल्कि इतनी बात को समझने की जरूरत है कि प्रकाश का अभाव ही अंधकार है। शांति के अभाव के कारण अशांति है, तो प्रेम के अभाव में द्वेष है।

''माया मिली न राम'

राहुल गांधी को सच्चा हिन्दू ही नहीं, एक धर्मपरायण हिन्दू साबित करने के लिए कांग्रेस के प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने उनकी जनेऊ पहने और पिता की अस्थियां चुनती तस्वीर देश के सामने रखी तो ज्यादातर लोगों ने उसे आश्चर्य से देखा। कांग्रेस की राजनीति में इसके बिल्कुल विपरीत छवि थी। कांग्रेस की छवि एक ऐसी सेक्यूलर पार्टी की थी जो अपनी सोच में अल्पसंख्यकों यानी मुसलमानों को प्राथमिकता देती है। कांग्रेस ने जानबूझकर ऐसी छवि बनाई थी। आपातकाल के दौरान संविधान की प्रस्तावना में यह शब्द जोड़ा गया तो उसके पीछे कांग्रेस की एक निश्चित राजनीतिक सोच थी। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का एक वक्तव्य आज भी लोग उद्धृत करते हैं।

सतीश पेडणोकर

भारतीय राजनीति में जिस ढंग से हिन्दुत्व बनाम हिन्दुत्व का नया स्वर गूंज रहा है, वह एक नई प्रवृत्ति है। जब राहुल गांधी को सच्चा हिन्दू ही नहीं, एक धर्मपरायण हिन्दू साबित करने के लिए कांग्रेस के प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने उनकी जनेऊ पहने और पिता की अस्थियां चुनती तस्वीर देश के सामने रखी तो ज्यादातर लोगों ने उसे आश्चर्य से देखा। कांग्रेस की राजनीति में इसके बिल्कुल विपरीत छवि थी। कांग्रेस की छवि एक ऐसी सेक्यूलर पार्टी की थी जो अपनी सोच में अल्पसंख्यकों यानी मुसलमानों को प्राथमिकता देती है। कांग्रेस ने जानबूझकर ऐसी छवि बनाई थी। आपातकाल के दौरान संविधान की प्रस्तावना में यह शब्द जोड़ा गया तो उसके पीछे कांग्रेस की एक निश्चित राजनीतिक सोच थी। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का एक वक्तव्य आज भी लोग उद्धृत करते हैं, जिसमें उन्होंने कहा कि देश के संसाधन पर मुसलमानों का पहला अधिकार है। उन्होंने कांग्रेस की सोच को ही अभिव्यक्त किया था। इन दिनों कांग्रेस के कई नेता अपने को भाजपा से ज्यादा हिन्दू धर्म का निष्ठावान साबित करने पर तुले हैं। कपिल सिब्बल ने तो यहां कि कह दिया कि भाजपा तो हिन्दुत्व की बात करती है, असली हिन्दू तो हम लोग ही हैं। स्वयं राहुल गांधी ने कहा कि वे शिवभक्त परिवार से आते हैं। यह लेख लिखे जाने तक वे गुजरात चुनाव प्रचार के दौरान 22 मंदिरों की यात्रा कर चुके हैं, जिसमें सोमनाथ मंदिर भी शामिल है। यहीं के मंदिर के उस रजिस्टर में उनका नाम दर्ज हो गया जो गैर हिन्दुओं के लिए है।

भाजपा ने तुरंत इसे बड़ा मुद्दा बना दिया और उसके जवाब में कांग्रेस ने उनको जनेऊधारी हिन्दू का प्रमाण देने की कोशिश की। हालांकि राहुल स्थायी रूप से जनेऊ नहीं पहनते यह सच है, क्योंकि उनका कभी जनेऊ संस्कार हुआ ही नहीं। हिन्दुओं का बड़ा वर्ग जनेऊ नहीं पहनता, इसलिए जो जनेउ पहने वही केवल हिन्दू है, इससे सहमत होना भी कठिन है। लेकिन कांग्रेस ऐसा बताने और दिखाने तक आई है तो यह भारतीय राजनीति में बहुत बड़ा बदलाव है। यह बदलाव यों ही नहीं हुआ है। 2014 लोक सभा चुनाव में अपनी सबसे बुरी पराजय के बाद कांग्रेस ने ए.के.एंटनी की अध्यक्षता में पराजय के कारणों पर जांच के लिए एक समिति गठित की थी। स्वयं कांग्रेस के अंदर से यह बात सामने आई है कि उसमें कांग्रेस की मुस्लिमपरस्त छवि होने को हार का एक प्रमुख कारण माना गया है। इसके अनुसार हिन्दुओं में यह संदेश गया कि कांग्रेस मुस्लिमों का पक्ष लेती है। इसलिए उनका मत जहां भी भाजपा शक्तिशाली थी, उसके पक्ष में चला गया। इससे साफ है कि कांग्रेस अब अपनी छवि बदलना चाहती है। यह सच है कि हिन्दू अनेक जगहों में कांग्रेस से अलग होकर भाजपा की ओर गए और भाजपा ने उसके जनाधार को कमजोर करके ही अपनी जमीन खड़ी की। किंतु एक समय कांग्रेस का सुनिश्चित वोट माने जाने वाले मुसलमान भी उससे अलग हो गए हैं। यह प्रक्रिया पिछले अनेक वर्षो से जारी है। अलग-अलग राज्यों में क्षेत्रीय पार्टियों ने मुसलमान मतों में कांग्रेस को पीछे छोड़ दिया। बिहार और उत्तर प्रदेश से कांग्रेस का सफाया इसका साफ उदाहरण है। तो कांग्रेस को यह लग गया है सेक्यूलर की उसकी सोच जो व्यवहार में मुस्लिमपरस्त राजनीति हो गई थी, उसमें ''माया मिली न राम' वाली स्थिति उसकी हो गई है। अनके राज्यों में बहुमत हिन्दुओं का मत तो उसके हाथ से खिसका ही मुसलमान भी खिसक गए। दूसरी ओर, भाजपा हिन्दुओं का मत नए सिरे से अपने पक्ष में सुदृढ़ कर रही है। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव परिणाम ने कांग्रेस को अपना चोगा उतार फेंकने की मानसिकता तैयार की जो गुजरात चुनाव में प्रचंड रूप में दिख रहा है। गुजरात को भाजपा एवं संघ परिवार की हिंदुत्व की प्रयोगशाला के तौर पर देखा जाता रहा है। तो उसमें कांग्रेस ने भी अपना प्रयोग आरंभ कर दिया है। राहुल इसके लिखे जाने तक एक भी मस्जिद में नहीं गए हैं। यह कांग्रेस के चरित्र को देखते हुए असाधारण स्थिति है। इस तरह, भारतीय राजनीति एक ऐसे दौर में पहुंच रही है जहां हिन्दू बनाम हिन्दू की प्रतिस्पर्धा और सघन होगी। गुजरात में कांग्रेस जीते या हारे यह स्थिति कायम रहने वाली है और 2019 के आम चुनाव में इसका पूरा जोर दिखेगा। किंतु जो लोग इसे नकारात्मक मान रहे हैं, उनसे सहमत होना कठिन है। लोकतंत्र में राजनीति न मुस्लिमपरस्त होनी चाहिए न हिन्दूपरस्त। लेकिन सेक्यूलरवाद के नाम पर मुस्लिमपरस्त राजनीति के कारण हिन्दुओं में विद्रोह की भावना पैदा हुई जिसका लाभ भाजपा को मिला। इससे दूसरी पार्टियों को अब समझ में आने लगा है कि अगर चुनाव की राजनीति में टिके रहना है तो फिर ऐसे सेक्यूलरवाद से अलग होकर यह साबित करना होगा कि हम हिन्दू विरोधी नहीं है। यह भारतीय राजनीति में युगांतकारी परिवर्तन है जिसकी अभी शुरु आत हुई है। इसके पूर्ण परिणाम आने में समय लगेगा। लेकिन एक युग का अंत हो रहा है। कुछ समय के लिए इसके थोड़े नकारात्मक परिणाम भी दिख सकते हैं लेकिन इससे संतुलन कायम हो जाएगा। हिन्दुत्व की राजनीति करने का मतलब मुस्लिम विरोधी या किसी संप्रदाय का विरोधी होना नहीं हो सकता। यह गलत तब होगा जब इसके पीछे मुस्लिम विरोधी की सांप्रदायिक सोच हो। हिन्दुत्व की राजनीति का अर्थ सभी मजहबों को समान महत्त्व देना है। यह नहीं हो सकता कि मुसलमानों या किसी विशेष मजहब के लिए विशेष व्यवस्था या प्रावधान किए जाएं। यह देश की एकता अखंडता के लिए भी उचित नहीं है। यह मानना होगा कि पार्टियों की इस नीति से देश में सांप्रदायिक विद्वेष बढ़ा है। भारत की राजनीति और इस पर आधारित लोकतंत्र के भविष्य के लिए इस स्थिति में बदलाव आवश्यक है। इस नाते हिन्दुत्व की प्रतियोगिता से एक नए और बेहतर इतिहास की नींव पड़ रही है। यह मुसलमानों के लिए भी अच्छा है।

चलते चलते

''चुनाव'

विरोधी तो अक्सर कांग्रेस पर वंशवाद को लेकर आक्रामक रहते हैं। कांग्रेसी अपने कुछ घिसे-पिटे तकरे से वंशवाद पर उठनेवाले सवालों से बचते फिरते हैं। पार्टी के भीतर ''गांधी-नेहरू परिवार' पर सवाल खड़े करने का मतलब ही है, आप पार्टी में नहीं रहना चाहते। शरद पवार, पीए संगमा, तारिक अनवर इसके आखिरी उदाहरण हैं। पार्टी में ''परिवार' से संबंधित सवाल न खड़े करने का अलिखित-सा नियम है। भक्ति यहां भी है, लेकिन एक परिवार के प्रति। कांग्रेसी बड़ी श्रद्धा से इसे निभाते भी हैं। परिवार के प्रति निष्ठा रखनेवाले बुद्धिजीवी बड़ी चालाकी से वंशवाद के विषय को नीरस बना देते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में राहुल गांधी की ताजपोशी दिसम्बर में होने की संभावना है। लेकिन वे इस पद का सुशोभित करेंगे, यह बात 2004 में तय हो गई थी, जब उन्होंने

पार्टी के भीतर ''गांधी-नेहरू परिवार' पर सवाल खड़े करने का मतलब ही है, आप पार्टी में नहीं रहना चाहते। शरद पवार, पीए संगमा, तारिक अनवर इसके आखिरी उदाहरण हैं। पार्टी में ''परिवार' से संबंधित सवाल न खड़े करने का अलिखित-सा नियम है। भक्ति यहां भी है, लेकिन एक परिवार के प्रति।

राजनीति में पहला कदम रखा था। उपाध्यक्ष के तौर पर उनके निर्वाचन ने इस पर मुहर भी लगा दी थी। मोतीलाल नेहरू, जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी (संजय गांधी सत्ता के असंवैधानिक केंद्र के रूप में जाने जाते हैं), राजीव गांधी और सोनिया गांधी। अब राहुल इस परंपरा को आगे बढ़ाएंगे। पार्टी पर परिवार विशेष के एकाधिकार का सवाल जो हमेशा कांग्रेस असहज करने वाला होता है, विरोधी तो उठाते ही रहते हैं। लेकिन इस बार पार्टी के अंदर से ही एक युवा कांग्रेसी ने यह सवाल उठया है। राहुल गांधी ही क्यों? महाराष्ट्र कांग्रेस के सचिव शहजाद पूनावाला के अनुसार कांग्रेस अध्यक्ष की पूरी चयन प्रक्रिया एक व्यक्ति विशेष के ''चयन' के लिए ''चुनाव' का दिखावा भर है। शहजाद ने जानी-सुनी बात कही है। कांग्रेस के जाना-पहचाना एक युवा चेहरा सवाल उठा रहा है तो ध्यान देना लाजमी हो जाता है। लेकिन शहजाद के सवाल पर कांग्रेस उचित जवाब देने के बजाय उनसे ही पल्ला झाड़ती नजर आई। ''सच्चे कांग्रेसी ऐसी बात नहीं करते' की उन्हें नसीहत भी मिली। पिछले आम चुनावों में मिली सबसे शर्मनाक हार के बाद कांग्रेस की शक्ति कहे जाने वाले ''गांधी-नेहरू परिवार' को कमजोरी माना जाना लगा है। लेकिन पार्टी परिवार के इतर देखने को राजी नहीं। ऐसा नहीं है कि पार्टी में केंद्रीय नेतृत्व का अभाव है। जयराम रमेश जैसे कई नेता हैं। लेकिन देश की सबसे पुरानी पार्टी अपनी झिझक तोड़ने को तैयार तो हो।

मुद्दा

मंत्रिमण्डल की ऐतिहासिक बैठक

साल जिस तरह निरुद्देश्य दो-तीन दिनों के लिये उत्तराखण्ड विधानसभा का सत्र गैरसैण और भराड़ीसैण में किया जा रहा है, उसे तुगलकी सोच का नतीजा ही कहा जा सकता है, क्योंकि पहाड़ के लोग गैरसैण में सत्ता का केन्द्र मांग रहे हैं। लोगों का मानना है कि इस पहाड़ी भूभाग की सत्ता लखनऊ से चल कर देहरादून तो अवश्य आ गयी मगर उसका लाभ पहाड़ों तक नहीं पहुंच पा रहा है। बात वहां ग्रीष्मकालीन राजधानी की भी हो रही है मगर सरकार वहां कुछ छोटे-मोटे दफ्तर तक नहीं खुलवा पा रही है।

राज्य सरकार के इस असमंजस के कारण देहरादून के रायपुर में प्रस्तावित विधानसभा भवन अधर में है। उत्तराखण्ड में सन् 2014 से लगातार राजधानी का तामझाम कुछ दिनों के लिये विधानसभा सत्र के दौरान देहरादून से गैरसैण जा रहा है और एक सप्ताह से भी कम समय वहां गुजार कर सारा लाव लश्कर वापस देहरादून लौट रहा है। राजधानी को केवल विधानसभा के एक सत्र के लिये फुटबॉल बनाये जाने से लगभग 45 हजार करोड़ रुपये कर्ज के बोझ तले तथा विकास कायरे के लिये पूरी तरह केन्द्र की दया पर निर्भर उत्तराखण्ड राज्य के हर साल इस राजनीतिक तमाशे पर करोड़ों रुपये बरबाद हो रहे हैं। जन भावनाओं के दबाव में पिछली कांग्रेस सरकार ने सन् 2012 में ही गढ़वाल और कुमाऊं के मध्य में स्थित गैरसैण में राजनीतिक और शासकीय गतिविधियां शुरू कर दी थीं। गैरसैण में 3 नवम्बर 2012 को तत्कालीन मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा की अध्यक्षता में मंत्रिमण्डल की ऐतिहासिक बैठक आयोजित हुई। उसके बाद 9 नवम्बर 2013 को गैरसैण के भराड़ीसैण में विधानसभा भवन के लिये भूमि पूजन हुआ। 14 जनवरी 2013 को भराड़ीसैंण (गैरसैण) में विधानभवन का शिलान्यास किया गया। तत्कालीन विधानसभा अध्यक्ष गोविन्द सिह कुंजवाल एवं मुख्यमंत्री ने विधानभवन के साथ ही वहां विधायक ट्रांजिट हॉस्टल, अधिकारी ट्रांजिट हॉस्टल तथा कर्मचारी ट्रांजिट हॉस्टल का भी शिलान्यास किया। बाद में मुख्यमंत्री हरीश रावत की अध्यक्षता में अल्मोड़ा में आयोजित राज्य कैबिनेट की बैठक में लिये गये निर्णय के अनुसार पहली बार गैरसैंण में 9 जून से 12 जून 2014 तक विधानसभा का ग्रीष्मकालीन सत्र टेंटों में आयोजित हुआ। गैरसैण में 2 नवम्बर 2015 से विधानसभा का दूसरा सत्र शुरू हुआ मगर यह पूरी पांच दिन की अवधि तक चलने के बजाय 3 नवम्बर को ही विपक्षी भाजपा के भारी हंगामे के कारण अनिश्चितकाल के लिये स्थगित हो गया। अगले साल 2016 में 17 एवं 18 नवम्बर को गैरसैण के निकट ही भराड़ीसैण में विधानसभा सत्र नवनिर्मित विधानसभा भवन में आयोजित हुआ। अब 7 दिसम्बर से भराड़ीसैण में नवनिर्मित विधानभवन में एक और सत्र आहूत होने जा रहा है। अगर राजधानी के नाम पर केवल विधानसभा सत्र आयोजित होने हैं और वहां जनता के कष्टों को दूर करने के लिये स्थाई तौर राजनीतिक शासकों और आला अफसरों ने नहीं बैठना है तो ऐसी केवल तमाशे वाली राजधानी पहाड़ के किस काम की ?गैरसैण के निकट भराड़ीसैण में विधानसभा भवन, विधायक निवास, सचिव आवास, उवं अन्य आवश्यक भवनों पर लगभग सवा सौ करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं। इनमें केन्द्र सरकार से शुरू में मिले 80 करोड़ रुपये भी शामिल हैं। विधानसभा सत्र के दौरान इन भवनों में मंत्रियों, विधायकों, अफसरों और कर्मचारियों के ऐशो आराम के लिये पूरी व्यवस्था है।

विधानसभा सत्र के बाद इस प्रस्तावित ग्रीष्मकालीन राजधानी के आलीशान बंगलों की छतों और बाल्कनियों में बंदरों और लंगूरों की अफरा-तफरी नजर आयेगी। पिछले विधानसभा अध्यक्ष के कार्यकाल में भराड़ीसैण विधानसभा के लिये 168 कर्मचारियों की विवादास्पद नियुक्तियां हुई थीं। राज्य सरकार जब इन कर्मचारियों को वहां नहीं भेज सकी तो अन्य कर्मचारियों और अधिकारियों को सरकार भराड़ीसैण में तैनात कर देगी, जो फिलहाल मुमकिन नहीं लग रहा है।

महिला उद्यमिता को बढ़ावा

वैश्विक उद्यमिता शिखर सम्मेलन (जीईएस) के उद्घाटन सत्र में एक बार फिर जाहिर हुआ कि मौजूदा दौर में भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रुतबा दुनिया में कितना ऊंचा हो चुका है। सम्मेलन का उद्घाटन साझा तौर पर मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बेटी इवांका ट्रंप ने किया। इवांका ट्रंप को अमेरिका में ह्वाइट हाउस की सलाहकार की भूमिका मिली हुई है। इसलिए उनकी टिप्पणियों को गंभीरता से लिया जाता है। हैदराबाद में हो रहे जीईसी में इवांका ने कहा कि अमेरिका के लोग भारतीयों से प्रेरणा लेते हैं। इससे समझा जा सकता है कि अमेरिका का मौजूदा ट्रंप प्रशासन भी भारतीयों का मुरीद है। मोदी का शुक्रिया अदा करते हुए इवांका बोलीं- 'आपने चाय बेचने से लेकर प्रधानमंत्री पद तक पहुंचकर जताया है कि सब कुछ संभव है। आपने जो उपलब्धि हासिल की है, वह बेमिसाल है। आप करोड़ों लोगों के जीवन में बदलाव ला रहे हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है इवांका ने भारत के चंद्रयान और मंगल मिशन का जिक्र किया। कहा कि इन क्षेत्रों में भारत की उपलब्धियां काबिले-तारीफ हैं। इवांका ने जोर दिया कि इस समय ह्वाइट हाउस में भारत का एक वास्तविक मित्र मौजूद है। वहीं मोदी ने अपना भाषण भारत में किए जा रहे आर्थिक सुधारों पर केंद्रित रखा। जाहिर है, उनका मकसद हैदराबाद में जुटे निवेशकों को बताना था कि इस देश में निवेश करना कैसे उनके और भारत दोनों के लिए पारस्परिक लाभकारी होगा।

मोदी ने कारोबार आसान बनाने के लिए किए गए उपायों का खास जिक्र किया। कहा कि इसी वजह से ईज ऑफडूइंग बिजनेस की सूची में भारत ने ऊंची छलांग लगाई है। हैदराबाद में हो रहा जीईएस महिला उद्यमियों पर केंद्रित है। 30 नवंबर तक चलने वाले इस सम्मेलन का मजमून- 'वुमन फर्स्ट, प्रॉस्पेरिटी फॉर ऑल (सबसे आगे महिलाएं, सबके लिए समृद्धि) रखा गया है। इसमें 52.5 प्रतिशत भागीदार महिलाएं हैं। कई देशों का तो पूरा प्रतिनिधिमंडल महिलाओं का है। ये सभी गुरुवार तक मुख्य रूप से ऊर्जा और बुनियादी ढांचा, स्वास्थ्य एवं जीव विज्ञान, विज़ीय प्रौद्योगिकी एवं डिजिटल अर्थव्यवस्था तथा मीडिया एवं मनोरंजन के क्षेत्रों में उद्यम की संभावनाओं पर विचार-विमर्श करेंगे। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में महिला उद्यमियों के साहस और संघर्ष की भरपूर सराहना की गई।

यह हकीकत है कि दुनिया में हुई तमाम प्रगति के बावजूद कारोबार के क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी सीमित ही है। घरेलू जिम्मेदारियों का ज्यादातर बोझ उन पर ही होता है। अत: नए उद्यम के लिए उनका पहल कर पाना कठिन बना रहता है। लेकिन जीईएस-2017 से यह साफ है कि विभिन्न देशों की सरकारें अब इस स्थिति को बदलना चाहती हैं। इसकी पहल दुनिया के सबसे धनी और सबसे अधिक संभावनापूर्ण देश ने मिलकर की है। निर्विवाद है कि उद्यम के क्षेत्र में महिलाएं आगे आएंगी, तो उससे सबकी संपन्नता का मार्ग प्रशस्त होगा। यह हम सबके लिए हर्ष की बात है कि इस सपने को हकीकत में बदलने की शुरुआत भारत-भूमि पर हुई है।

अफीकी चैम्पियन अर्नस्ट अमुजु के खिलाफ खिताब का बचाव करेंगे विजेंदर

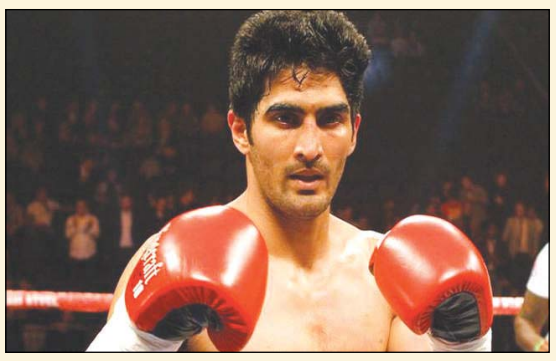

नयी दिल्ली। भारत के स्टार मुक्केबाज विजेंदर सिंह 23 दिसंबर को जयपुर में घाना के अर्नस्ट अमुजु के खिलाफ अपना डब्ल्यूबीओ ओरिएंटल एवं एशिया पैसिफिक सुपर मिडिलवेट खिताब का बचाव करने रिंग में उतरेंगे। अभी तक नौ बाउट में विजेंदर को हार नहीं मिली है। वह अगस्त में रिंग में उतरे थे जब उन्होंने चीन के नंबर एक मुक्केबाज जुल्फिकार मामेतियाली को हराकर डब्ल्यूबीओ ओरिएंटल खिताब हासिल किया था। इस ओलंपिक कांस्य पदकधारी विजेंदर ने कहा, ''मैं भारत में अपनी दसवीं फाइट लड़ने के लिये सचमुच रोमांचित हूं और वो भी गुलाबी शहर जयपुर में हो रही है। मैं पिछले दो महीनों से रिंग में कड़ी ट्रेनिंग कर रहा हूं और अभी अगली बाउट के लिये तीन हफ्ते का समय है, इसलिये लगातार तीसरा खिताब जीतने की उम्मीद लगाये हूं।'' अपनी नयी प्रोमोशनल कंपनी- विजेंदर सिंह प्रोमोशंस के लांच की घोषणा करते हुए इस मुक्केबाज ने कहा कि कंपनी नयी प्रतिभाओं को उत्साहित करेगी और उन्हें मौका मुहैया करायेगी। घाना के अर्नस्ट अमुजु भी अपने कॅरियर की 26वीं प्रो फाइट में अच्छा प्रदर्शन करना चाहेंगे। वह 23 फाइट जीत चुके हैं, जिसमें से 21 नाकआउट रहीं थीं। वह अपने पेशेवर कॅरियर में केवल दो में हारे हैं। इस 34 वर्षीय मुक्केबाज ने कहा, ''अभी तक विजेंदर को मेरे जैसा कड़ा और अनुभवी प्रतिद्वंद्वी नहीं मिला है, मुझे भरोसा है कि रिंग में उसे महसूस होगा कि मैं कितना मुश्किल प्रतिद्वंद्वी हूं।'' उन्होंने कहा, ''मैं तैयार हूं और विजेंदर सिंह को तीन-चार राउंड में नाकआउट में हराने के लिये पूरी तरह तैयार हूं।''

महान गोल्फर वुड्स को देखने पहुंचे टेनिस स्टार राफेल नडाल

अलबानी (बहामा)। टेनिस स्टार राफेल नडाल हीरो विश्व चैलेंज के अंतिम दिन महान गोल्फर टाइगर वुड्स को खेलते हुए देखने पहुंचे। नडाल बहामा में छुट्टियां मना रहे हैं, अलबानी गोल्फ कोर्स में वुड्स को देखने पहुंचे और पूरे 18 होल के दौरान उन्हें खेलते हुए देखा। वुड्स पूरी तरह से फिट होकर फरवरी में दुबई डेजर्ट क्लासिक के बाद पहला प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट खेल रहे हैं, वह संयुक्त रूप से नौंवे स्थान पर रहे।चौदह मेजर खिताब हासिल कर चुके नडाल ने कहा, ''टाइगर की वापसी गोल्फ के लिये शानदार है। उम्मीद करता हूं कि वह वापसी में अच्छा प्रदर्शन करे।''

विश्वनाथन आनंद ने माइकल एडम्स से भी बाजी ड्रा खेली

लंदन। पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद को लंदन शतरंज क्लासिक के दूसरे दौर में सफेद मोहरों से खेलने के बावजूद इंग्लैंड के माइकल एडम्स के साथ अंक बांटने पड़े। आनंद ने पहले दौर में अमेरिका के हिकारू नकामुरा के साथ भी बाजी ड्रा खेली थी। एडम्स के साथ उनकी बाजी 48 चाल तक चली जिसके बाद दोनों खिलाड़ी बाजी ड्रा कराने में पर सहमत हो गये। अब उनके दो बाजियों में एक अंक हैं। दुनिया के चोटी के दस खिलाड़ियों के बीच खेले जा रहे इस टूर्नामेंट में अभी तक किसी भी बाजी का परिणाम नहीं निकला है और लगातार दूसरे दिन सभी पांचों बाजियां ड्रा पर छूटी। इस तरह से सभी खिलाड़ियों के अभी एक-एक अंक हैं। अन्य बाजियों में नार्वे के मैगनस कार्लसन ने रूस के सर्गेई कार्जाकिन, फ्रांस के मैक्सिम वाचियर लाग्रेव ने नकामुरा से, अमेरिका के फैबियानो कारूआना ने आर्मेनिया के लेवोन आरोनियन से तथा अमेरिका के वेस्ली सो ने रूस के इयान नेपोमिनियाची के साथ अंक बांटे। राउंड रोबिन आधार पर खेले जा रहे इस 300,000 डालर इनामी टूर्नामेंट में आनंद का अगला मुकाबला कार्लसन से होगा।

भारत को तीरंदाजी इंडोर विश्व कप में महज एक कांस्य पदक

बैंकाक। तीरंदाज दीपिका कुमारी यहां समाप्त हुये इंडोर तीरंदाजी विश्व कप के दूसरे चरण में पदक जीतने वाली एकमात्र भारतीय रही जहां उन्होंने कांस्प पदक अपने नाम किया। टूर्नामेंट में तीसरी वरीयता प्राप्त दीपिका ने 13वीं वरीयता प्राप्त रूस की सायना ट्स्यरेंपोलोवा को महिला रिकर्व के कांस्य पदक मुकाबले में 7-3 से पराजित कर देश के लिये एक पदक पक्का किया। इससे पहले पुरूषों के शीर्ष वरीय अतनु दास दूसरे दौर में हार कर टूर्नामेंट से बाहर हो गये। हाल ही में ढाका में हुये एशियाई चैम्पियनशिप में तीन स्वर्ण सहित नौ पदक जीतने वाली भारतीय टीम ने यहां काफी निराशाजनक प्रदर्शन किया। अंतिम चार में जगह बनाने के लिये दीपिका ने तीन भारतीय तीरंदाजों को शिकस्त दी। उन्होंने निवेदिता गणेशन को 6-0, लेशराम बॉम्बायला देवी को 7-3 और अंकिता भक्त को 6-2 से मात दी। पूर्व विश्व नंबर एक दीपिका को दूसरी वरीयता प्राप्त कोरियाई तीरंदाज किम सुरिन ने रोचक मुकाबले में 6-5 से हराकर तीसरे स्थान का मैच खेलने को मजबूर किया। दीपिका के अलावा कोई भी अन्य भारतीय तीरंदाज क्वार्टरफाइनल तक भी नहीं पहुंच पाया।

» भारत /श्रीलंका : तीसरे दिन चांदीमल और मैथ्यूज के शतक, श्रीलंका 356/9

श्रीलंका ने टाला फॉलोऑन, अंतिम सत्र में भारत ने झटके 5 विकेट

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

दिनेश चंडीमल और एंजोलो मैथ्यूज के बेहतरीन शतक की मदद से श्रीलंका ने भारत के खिलाफ तीसरे और आखिरी टेस्ट मैच में फॉलोऑन का खतरा टाल दिया है। श्रीलंका ने तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक 9 विकेट खोकर 356 रन बनाए। दिल्ली के फिरोजशाह कोटला मैदान में खेले जा रहे इस मैच में भारत ने पहली पारी में 536 रन बनाकर पारी घोषित की थी।

श्रीलंका की पहली पारी

श्रीलंका के लिए दिमुथ करुणारत्ने और दिलरुवान परेरा ओपनिंग करने आए। इस दौरान करुणारत्ने पहली ही गेंद पर बिना खाता खोले आउट हो गए। उन्हें मोहम्मद शमी ने आउट किया। इनके बाद धनंजया डी सिल्वा बैटिंग करने आए। लेकिन वो भी महज 1 रन बनाकर ईशांत शर्मा की गेंद का शिकार बने। श्रीलंका का तीसरा विकेट ओपनर परेरा के रूप में गिरा। वो 42 रन बनाकर रविन्द्र जडेजा की गेंद पर आउट हुए।

तीसरे दिन मैथ्यूज और चंडीमल के बीच शतकीय साझेदारी हुई। इस दौरान मैथ्यूज ने 268 गेंदों में 111 रन बनाए। इसके बाद अश्विन की गेंद पर साहा को कैच थमा बैठे। इसके बाद समरविक्रमा बैटिंग करने

आये। समरविक्रमा 33 रन बनाकर ईशांत की गेंद पर आउट हुए। इसके बाद रोशन सिल्वा और निरोशन डिकवेला बिना खाता खोले आउट हो गए। ये दोनों खिलाड़ी अश्विन की गेंद का शिकार बने। गमागे 1 और लकमल 5 रन बनाकर आउट हुए। अंत में चंडीमल 147 रन बनाकर नाबाद पवेलियन लौटे।

भारत की गेंदबाजी

टीम इंडिया की तरफ से गेंदबाजी करते हुए रविचन्द्रन अश्विन ने 3 विकेट झटके। उन्होंने 35 ओवरों में 90 रन दिए। इसके अलावा रविन्द्र जडेजा, ईशांत शर्मा और मोहम्मद शमी ने 2-2 विकेट हासिल किये।

भारत की पहली पारी

कप्तान विराट कोहली के दोहरे शतक और मुरली विजय के शतक की बदौलत भारत ने पहली पारी में 536 रन बनाकर पारी घोषित की। ओपनर शिखर धवन 23 रन और चेतेश्वर पुजारा 23 रन बनाकर आउट हुए। वहीं मुरली विजय ने टेस्ट करियर का 11वां शतक जड़ा। मुरली 155 रन बनाकर आउट हुए। कोहली ने दूसरे दिन जबर्दस्त दोहरा शतक जड़ा। उन्होंने 243 रन बनाए, हालांकि तिहरा शतक लगाने से चूक गए। रोहित 65, रहाणे 1 और अश्विन 4 रन बनाकर आउट हुए।

प्लेइंग इलेवन

भारत: मुरली विजय, शिखर धवन, चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली (कप्तान), अजिंक्य रहाणे, रोहित शर्मा, रविचन्द्रन अश्विन, रिद्धिमान साहा (विकेटकीपर), रविन्द्र जडेजा, मोहम्मद शमी

श्रीलंका: दिमुथ करुणारत्ने, दिलरुवान परेरा, धनंजया डी सिल्वा, एंजेलो मैथ्यूज, दिनेश चंडीमल (कप्तान), सदीरा समरविक्रमा, निरोशन डिकवेला (विकेटकीपर), रोशन सिल्वा, सुरंगा लकमल, लक्षन संदकन, लहिरु गमागे

बत्रा, खन्ना आईओए अध्यक्ष पद की दौड़ में, मेहता बनेंगे महासचिव

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

अंतरराष्ट्रीय हाकी महासंघ के अध्यक्ष नरिंदर बत्रा और शीर्ष टेनिस अधिकारी अनिल खन्ना 14 दिसंबर को होने वाले भारतीय ओलंपिक संघ के चुनावों में अध्यक्ष पद के लिये आमने सामने होंगे। भारतीय भारोत्तोलन महासंघ के अध्यक्ष बीरेंद्र बैश्य दौड़ से हट गये जिसके बाद बत्रा और अखिल भारतीय टेनिस संघ के पूर्व अध्यक्ष खन्ना ही इस शीर्ष पद के लिये मैदान में रह गये। बैश्य अब उपाध्यक्ष के आठ पदों में से एक पद के लिये चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने इस पद के लिये भी नामांकन भरा था। नाम वापस लेने की अंतिम तिथि समाप्त होने के बाद निर्वाचन अधिकारी एस के मेंदीरत्ता ने यहां आईओए वार्षिक आम बैठक के दौरान होने वाले चुनावों के लिये उम्मीद्वारों की अंतिम सूची जारी की।

महासचिव पद को छोड़कर बाकी सभी अन्य पदों के लिये चुनाव होगा। निवर्तमान महासचिव राजीव मेहता का फिर से चार साल के कार्यकाल के लिये इस पद पर चुना जाना तय है क्योंकि केवल उन्होंने ही इस पद के लिये नामांकन भरा। झारखंड ओलंपिक संघ के प्रमुख आर के आनंद की वरिष्ठ उपाध्यक्ष के एकमात्र पद के लिये भारतीय कबड्डी महासंघ के पूर्व अध्यक्ष जनार्दन

सिंह गहलौत के साथ सीधा मुकाबला होगा। मौजूदा वरिष्ठ उपाध्यक्ष वीरेंद्र नानावटी भी इस पद के लिये दौड़ में थे लेकिन उन्होंने नाम वापस ले लिया। नानावटी अब उपाध्यक्ष पद के लिये चुनाव लड़ेंगे।

कोषाध्यक्ष पद के लिये त्रिकोणीय मुकाबला होगा क्योंकि आनंदेश्वर पांडे, मुकेश कुमार और राकेश गुप्ता में से किसी ने भी नाम वापस नहीं लिया। उपाध्यक्ष पद के आठ पदों के लिये 12 उम्मीद्वार मैदान में हैं। इनमें भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के अध्यक्ष आदिल सुमरिवाला, भारतीय ल्यूज महासंघ के प्रमुख करण चौटाला और भाजपा राष्ट्रीय परिषद के पूर्व सदस्य सुधांशु मित्तल भी शामिल हैं। असम सरकार में वरिष्ठ मंत्री और भाजपा नेता हिमांता बिस्वा शर्मा और खेल प्रशासक तरलोचन सिंह ने उपाध्यक्ष पद से अपना नाम वापस ले लिया।संयुक्त सचिव के छह पद के लिये नौ उम्मीद्वार मैदान में है जबकि कार्यकारी परिषद के दस पदों के लिये 15 उम्मीद्वार अपना भाग्य आजमा रहे हैं।

इंग्लैंड ने हेल्स को दी क्लीन चिट

लंदन। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने अपने बल्लेबाज और ब्रिस्टल नाइट क्लब मामले में पुलिस जांच का सामना कर रहे एलेक्स हेल्स को आपराधिक आरोप से छूट देते हुए उन्हें टीम में चयन के लिए अपनी मंजूरी दे दी है। हेल्स और उनके साथी बेन स्टोक्स पर आरोप है कि उन्होंने सितंबर में ब्रिस्टल नाइट क्लब में मारपीट की थी। पुलिस इस मामले में जांच कर रही है। लेकिन ईसीबी ने इस घटना के बाद स्टोक्स और हेल्स को टीम से बाहर कर दिया था और इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज में शामिल नहीं किया था। स्टोक्स को हाल ही में न्यूजीलैंड में होने वाली घरेलू क्रिकेट प्रतियोगिताओं में खेलने की इजाजत दी गई है और अब हेल्स पर भी लगे आरोप वापिस ले लिए गए हैं जिससे कि उनके राष्ट्रीय टीम में वापसी करने का रास्ता साफ हो गया है। ईसीबी ने एक बयान में कहा, राष्ट्रीय टीम में चयन के लिए एलेक्स हेल्स के नाम पर विचार किया जाएगा। ईसीबी ने हेल्स को दुबई में 21 से 24 दिसंबर तक होने वाली ट्वंटी-20 क्रिकेट लीग में खेलने के लिए पहले ही क्लीन चिट दे दी है। 28 वर्षीय हेल्स टीम में सीमित ओवरों के विशेषज्ञ बल्लेबाज माने जाते हैं। उन्होंने अपना आखिरी टेस्ट गत वर्ष अगस्त में खेला था और अब वह आस्ट्रेलिया दौरे पर सीमित ओवरों में टीम में वापसी कर सकते हैं।

एफआईएच को उम्मीद, भारत में विश्व कप खेल सकेगा पाकिस्तान

भुवनेश्वर (एजेंसी)।

विश्व हॉकी महासंघ (एफआईएच) को उम्मीद है कि अगले साल भारत में होने वाले विश्व कप में पाकिस्तान भी हिस्सा लेगा। इसके लिए एफआईएच अपनी ओर से पूरी कौशिश कर रहा है। एफआईएच अगले साल भारत में होने वाले विश्व कप में दोनों देशों के बीच मुकाबलों को लेकर आशान्वित है।

भारत और पाकिस्तान के बीच राजनयिक तनाव का असर दोनों देशों के बीच होने वाले खेलों के मुकाबलों में भी दिखता है और पिछले साल लखनऊ में हुए जूनियर हॉकी विश्व कप में वीजा कारणों से पाकिस्तान की टीम भाग नहीं ले पाई

थी।

एफआईएच पिछली गलती से सीख लेते हुए इसबार दोनों देशों की हॉकी से जुड़ी इकाइयों और सरकार के साथ मिलकर काम कर रहा है ताकि अगले साल 28 नवंबर से 16 दिसंबर तक होने वाले विश्व कप में पाकिस्तान की भागीदारी सुनिश्चित की जा सके।

एफआईएच के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जैसन मैक्राकेन ने कहा कि उन्होंने इस मामले में पाकिस्तान से बात की है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने विश्वकप के लिए क्वालीफाई किया है और हम उनके लिए काफी खुश हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच गजब की प्रतिद्वंदिता हैं। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि पाकिस्तान को समय पर वीजा मिले।

उन्होंने कहा कि उन्हें (पाकिस्तान) अपने सरकार और भारत सरकार के साथ मिलकर सबकुछ ठीक से करना होगा। विश्व कप में पाकिस्तान की भागीदारी सुनिश्चित करने को लेकर एफआईएच अपना सर्वश्रेष्ठ करेगा। पाकिस्तान हमारे लिए महत्वपूर्ण है और हम अगले साल उसे यहां देखना चाहते हैं। पाकिस्तान ने पिछली बार 2014 में चैम्पियंस ट्रॉफी में भाग लेने के लिए भारत का दौरा किया था।

मॉरिशस में प्लेआफ में हारे भारतीय गोल्फर अर्जुन अटवाल

मॉरिशस। पहले तीन दिन तक अच्छा खेल दिखाने वाले भारतीय गोल्फर अर्जुन अटवाल एफ्र एशिया बैंक ओपन के अंतिम दिन यहां प्लेआफ में दक्षिण अफ्रीका के डायलन फ्रिटली से हार गये। नियमित खेल में अटवाल जब फ्रिटली से एक शाट पीछे थे तब उनके पास जीत का मौका था लेकिन उनका ईगल पुट होल के करीब से निकल गया और बर्डी करने से मुकाबला प्लेआफ तक खिंच गया। प्लेआफ में भी भाग्य ने अटवाल का साथ नहीं दिया और फ्रिटली ने सत्र की दूसरी जीत दर्ज की।

फ्रिटली ने अंतिम दौर में चार अंडर 67 का कार्ड खेला और उनका कुल स्कोर 16 अंडर 268 रहा। अटवाल का स्कोर भी इतना ही रहा। अटवाल भले ही प्लेआफ में चूक गये लेकिन उन्होंने 2014 में दुबई ओपन जीतने के बाद पिछले तीन वर्षों में अपना सर्वश्रेष्ठ परिणाम हासिल किया। अन्य भारतीयों में शिव कपूर संयुक्त 16वें और एसएसपी चौरसिया संयुक्त 27वें स्थान पर रहे।

शानदार प्रदर्शन के बाद सबसे अधिक संतुष्टि मिलती है: कोहली

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय कप्तान विराट कोहली का कहना है कि उन्हें टेस्ट क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के बाद अपने काम की सबसे अधिक संतुष्टि मिलती है जिसमें उन्हें टीम के साथी क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा को लंबे समय तक बल्लेबाजी करते हुए 'देखकर' महारत हासिल हुई। कोहली केवल 29 वर्ष के हैं, वह खुद को खेल के महान खिलाड़ियों में से एक में शामिल कर चुके हैं। उन्होंने कप्तान के रूप में छह दोहरे शतक जड़कर ब्रायन लारा को पीछे छोड़ दिया।

कोहली ने पुजारा से बात करते हुए कहा, ''मेरा पसंदीदा प्रारूप निश्चित रूप से टेस्ट क्रिकेट है, हम प्रत्येक कोण से यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि इसे सबसे अहम प्रारूप होना चाहिए क्योंकि बतौर बल्लेबाज या बतौर गेंदबाज भी, हम जानते हैं कि टेस्ट मैचों में रन जुटाना कितना संतोषजनक होता है, विशेषकर जब हालात मुश्किल हों। ''उन्होंने साथ ही कहा, ''आपको दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, आस्ट्रेलिया में परिस्थितियों से जूझना होता है। इस प्रारूप में वनडे और टी20 प्रारूप की तुलना में संतुष्टि सबसे ज्यादा होती है, साथ ही भावनात्मक रूप से भी। जब पूरा स्टेडियम भरा होता है और आप एक करीबी मैच जीतते हो तो आपका मनोबल काफी ऊंचा हो जाता है। ''

कोहली ने यह भी कहा कि उनके साथी पुजारा ने उन्हें बड़े शतक जड़ने के लिये प्रेरित किया और उन्होंने उन्हें देखकर ही लंबे समय तक बल्लेबाजी करना सीखा। कोहली ने कहा, ''यह शानदार लगता है। यह हमेशा मेरे दिमाग में रहता था कि मैं बड़ा शतक लगाऊं, मैंने आपको आपके करियर में ऐसा करते हुए देखा है और आपसे सीखा भी है कि आप कैसे लंबे समय तक ध्यान लगाये रखते हो। '' उन्होंने कहा, ''हम सभी ने उसकी (पुजारा) की लंबी पारियों से सीख ली है, उसका ध्यान लगाने का स्तर और उसकी लंबे समय तक बल्लेबाजी करने की इच्छा। इसलिये मैं भी इससे प्रेरित हुआ कि टीम के लिये जहां तक संभव हो, लंबे समय तक बल्लेबाजी करते रहो। ''

कोहली ने कहा, ''अब मैं सिर्फ यही सोच सकता हूं कि मैं टीम के लिये कितना अधिक खेल सकता हूं और तब आप वो थकान महसूस नहीं करते और हालात के अनुरूप खेलते रहते हो। ''शारीरिक फिटनेस के बारे में उन्होंने कहा, ''पेशेवर क्रिकेटर के तौर पर हम जानते हैं कि हमारे पास खेलने के लिये ज्यादा वर्ष नहीं हैं। इसलिये हमें इसी समय में सबकुछ करना होता है और जहां तक संभव हो फिट रहने की कोशिश करनी होती है। अपनी डाइट का ख्याल रखना होता है, ट्रेनिंग पर ध्यान देना होता है। अभी तक इसका अच्छा फल मिल रहा है। ''

वनडे में दोहरा शतक लगाने के बारे में

पूछने पर उन्होंने कहा,''दोहरे शतक की योजना नहीं बना सकता। मुझे लगता है कि अगर मैं जल्दी बल्लेबाजी के लिये उतरूं और विकेट अच्छा हो तो-- ऐसा हो सकता है। मैं दो बार ऐसा करने के करीब पहुंचा। रोहित दो बार ऐसा कर चुका है लेकिन मुझे नहीं लगता कि मैं पारी के अंत में उसकी तरह इतने सारे शाट लगा सकता हूं। वह ऐसा करने में इसलिये सफल रहा क्योंकि जब वह 130-140 के पार पहुंच जाता है तो उसे रोकना मुश्किल हो जाता है। लेकिन अगर मेरे पास काफी ओवर होंगे तो मैं इसकी कोशिश करूंगा।''

पुनागाव के खेत से मिला अनजान अधेड का हत्या किया गया शव

सूरत। पुनागांव के सारोली स्थित न्यू हलपतिवास के निकट झाड़ियो से अनजान अधेड़ का हत्या किया गया शव मिलने से सनसनी फैल गई है ।

पुलिस सूत्रों के अनुसार पुनागांव पुलिस को सूचना मिली थी कि पुनागांव के सारोली स्थित न्यू हलपतिवास के निकट की झाड़ियों में अनजान 50 से 55 वर्षीय अधेड़ का हत्या किया गया शव पड़ा है । सूचना के चलते पुनागांव के थाना प्रभारी बी.एन सगर सहित पुलिस काफिला मौके पर पहुंच कर स्थल का मुआयना करने पर अनजान अधेड़ का खून से लथपथ अवस्था मे शव पडा था । हमलावरों ने अधेड़ के सिर पर ठोस प्रदार्थ मारकर हत्या कर दी गई थी । हादसे के चलते पुनागांव पुलिस ने स्थानिक निवासी छना भाई बाबुभाई राठौड़ की शिकायत पर हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की है ।

सूरत। विधानसभा आम चुनाव के लिए होने वाले प्रथम चरण के मतदान के लिए सोमवार को ईवीएम मशीने आनी शुरू हो गई। 165-मजूरा विधानसभा अधिकारी कार्यालय, जिला सेवासदन-2, अठवालाइंस में ईवीएम मशीन रखते कर्मचारी।

अमरोली की 16 वर्षीय किशोरी का अपहरण कर दुष्कर्म

सूरत। अमरोली की निवासी एक 16 वर्षीय किशोरी का अपहरण के उसके साथ जबरन दुष्कर्म करने के मामले में पुलिस ने एक जने को गिरफ्तार किया है पुलिस सूत्रों के अनुसार कुछ समय पूर्व अमरोली आवास में रहने वाले अजय नामक युवक ने 2 दिसम्बर के रात में आंटी नामक महिला सहित तीन जाने के साथ मिलकर 2 दिसम्बर के रात में अमरोली निवासी एक 16 वर्षीय किशोरी धर के पास से गुजर रही थी इसी दौरान एक रिक्शा में सवार होकर आये तीन से चार बदमाशों ने पिता के मुँह पर नशीली चीज सुंघाकर अपहरण कर अपने साथ लेगये थे और पीडिता को अमरोली की किसी बिल्डिंग में बंधक बनाकर अजय ने जबरन उसके साथ दुष्कर्म कर उसे छोडकर फरार हो गए. हादसे से सहम सी गई किशोरी ने धर पर आकर आपबीती अपने परिजनों को सुना तेहि उनके पैरोंतले से जमीन सार्क गई और तुरंत पीडिता को साथ लेकर अमरोली थाने में लेजाया गया. जहा उपस्थित पुलिस कर्मियों ने मामले को गंभीरता से लेकर पीडिता की शिकायत पर अजय सहित चार जने के खिलाफ अपहरण तथा दुष्कर्म का मामला दर्ज कर अजय को गिरफ्तार किया है.

सूरत। श्री तेलगू अयप्पा सेवा समिति सूरत की ओर से सोमवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। श्री मारकंडेश्वर महादेव मंदिर, प्रतापनगर, लिंबायत, उधना में आयोजित रक्तदान शिविर में समिति के स्वयं सेवकों ने बड़ी संखया में रक्तदान किया।

कपड़ा व्यापारी को उसके ही सेल्समैन ने लगाया 41.71 लाख का चूना

सूरत। रिंगरोड की रघुनंदन टेक्साइल मार्केट के एक दुकानदार को उनके ही सेल्समैन ने 41 लाख 71 हजार का चूना लगा कर फरार हो गए होने का मामला सामने आया है।

सलाबतपुरा पुलिस के अनुसार वेसु के सोमेश्वर एन्क्लेव स्थित स्वास्तिक वुड्स निवासी मोहित भाई राजेशभाई कासट (24 वर्ष) कपड़ा व्यापारी है । रिंगरोड की रघुनंदन टेक्स्टाइल मार्केट की दुकान नंबर 136 में मोहित भाई कपड़ो का कारोबार करते है । लिंम्बायत के गोडादरा स्थित संतकृपा सोसायटी निवासी दीपक दिलीपभाई गोस्वामी पीड़ित मोहित भाई की दुकान में सेल्समैन के तौर पर नौकरी करता था । ठग सेल्समैन दीपक के कहने पर पीड़ित ने रिंगरोड की श्रीजी मार्केट की दुकान नंबर- 4015 में श्री आई इंटरनेशल तथा मां कलेक्शन के व्यापारी ओम गांधी को उधारी में 41 लाख 71 हजार की साड़िया दी थी । लेकिन ठग सेल्समैन ने पीड़ित द्वारा भेजा गया माल ओम गांधी को नही भेज कर कपड़ा हजम कर दिया । हादसे के चलते पीड़ित की शिकायत पर सलाबतपुरा पुलिस ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू की है ।

सूरत। सूरत सहित संपूर्ण गुजरात में धूमधाम से मनाए जाने वाले पतंगोत्सव की तैयारियां अभी से शुरू हो गई है। उत्तरायण(मकर संक्रांति) पर मनाए जाने वाले इस उत्सव का सूरतवासियों को पूरे साल इंतजार रहता है। पतंगोत्सव के लिए पतंग का मांझा तैयार करता कारीगर।

समुद्री तुफान ओखी के संभावित प्रभाव को लेकर प्रशासन सतर्क

सूरत जिले के चौर्यासी, ओलपाड़ तथा सिटी तालुका के 63 गांवों पर हो सकता है असर

सूरत। अरब सागर में उत्पन्न हुई ओखी तुफान के संभावित प्रभाव तथा उससे उत्पन्न होने वाली परिस्थतियों के मद्देनजर प्रशासन पूरी तरह चौकन्ना है। समुद्री तुफान से होने वाले संभावित असर को ध्यान में रखकर सोमवार को जिला कलक्टर महेंद्र पटेल ने पत्रकार परिषद आयोजित कर तैयारियों की जानकारी दी।

जिला कलक्टर महेंद्र पटेल ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए बताया कि अरब सागर में सक्रीय ओखी तुफान 5 दिसंबर की मध्य रात्रि अथवा 6 दिसंबर की सुबह तक सूरत जिले के समुद्रीय किनारों तक पहुंचने की संभावना है। उन्होने संभावित परिस्थितियों से निपटने की तैयारियों की जानकारी देते हुए बताया कि संभावित तुफान से होने वाले प्रभाव तथा परिस्थितियों से निपटने के लिए एनडीआरएफ की टीम बुला ली गई है जो सचिन पहुंचकर समुद्र में होने वाले हलचलों पर निगरानी रखे हुए है। तुफान के दौरान तटीय क्षेत्रों में स्थित कंपनियो तथा मैन्युफैक्चरिंग प्लांट के संचालकों तथा प्रबंधको को पूरी तरह सतर्क कर दिया गया है। मछुआरों को समुद्र में जाने से मना कर दिया गया है।

संभावित तुफान के मद्देनज आयुक्त की अधिकारियों के साथ हुई बैठक

सूरत। भारतीय मौसम विभाग द्वारा प्राप्त अनुमान के अनुसार 5 दिसंबर तथा 6 दिसंबर के बीच ओखी नामक समुद्री तुफान के दक्षिण गुजरात पहुंचने की संभावना है। जिसके कारण तेज हवाएं चलने से भारी बरसात की संभावना है। ऐसे में संभावित परिस्थितियों से निपटने के लिए मनपा आयुक्त से सोमवार को उच्च अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक जानकारी देने के साथ हस संभव परिस्थिति से निपटने के लिए 24 घंटे सतर्क रहने को कहा।

डिंडोली के युवक पर चाकू से हमला करने के मामले में तीन जने गिरफ्तार

सूरत। नवागांव डिंडोली के बिलियानगर निवासी युवक पर आठ से देश जने ने चाकू से जानलेवा हमला कर फरार होगये. हादसे में गंभीर रूप से धायल युवक को उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया, इस मामले में डिंडोली पुलिस ने हत्या की कोशिश का मामला दर्ज कर तीन जने को गिरफ्तार किया है. स्मीमेर अस्पताल के अनुसार नवागांव डिंडोली के बिलियानगर निवासी राकेश राजेन्द्रभाई शिंदे रर रत्नकलाकार है. 1 दिसम्बर की रात में राकेश अपने मित्रो के साथ धर के पास बैठा था.इसी दौरान तीन से चार बाइक पर सवार होकर नितिन तथा रोबिन सहित आठ से देश जने राकेश के पास आये थे और कहाकि कबूतर राहुल लंगडा कहा पर है राकेश ने आरोपियों को बताया की मुझे पता नहीं यह कहने पर आरोपियों ने क्रोधित होकर राकेश पर चाकू से जानलेवा हमला कर फरार हो गए . हादसे में गंभीर रूप से धायल राकेश को उपचार के लिए स्मीमेर अस्पताल में भर्ती करवाया गया. हादसे के चलते पीडित की शिकायत डिंडोली पुलिस ने नितिन तथा रोबिन सहित आठ से देश जने के खिलाफ हत्या की कोशिश का मामला दर्ज कर जाँच शुरू की है.इस मामले में डिंडोली पुलिस ने राकेश पर हमला करने के मामले में डिंडोली के साई दर्शन एपारमेंट निवासी रोबिन मोहनसिंग,विक्की गुलाबभाई सिरसाथ तथा भावेश उड ब्रावो जगदीशभाई बारिया बताया है.

ओखी चक्रवात के चलते रो रो फेरी सर्विस रुकी

भावनगर (ईएमएस)। गुजरात की ओर बढ़ रहे ओखी चक्रवात को देखते हुए सौराष्ट्र को दक्षणि गुजरात से जोड़ने वाली रो रो फेरी सर्विस को ऐहतियात के तौर पर रोक दिया गया है। चक्रवात के चलते राज्य के कई क्षेत्रों में छुटपुट बारिश हो रही है। दक्षणि भारत में व्यापक तबाही मचाने के बाद ओखी चक्रवात अब गुजरात की ओर बढ़ रहा है। उत्तर पश्चिम दिशा की ओर 18 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गुजरात की तरफ बढ़ रहा ओखी चक्रवात संभवत: 5 दिसंबर की मध्यरात्रि डीप डिप्रेशन के कारण सूरत के निकट दक्षणि गुजरात को

पार कर सकता है। जिसकी वजह से मध्यम से भारी बारिश होने की संभावना मौसम विभाग ने व्यक्त की है। ओखी चक्रवात के चलते भावनगर से घोघा से भरुच के दहेज के बीच चलनेवाली रो रो फेरी सर्विस को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। घोघा-दहेज के बीच यात्रा करनेवाली मुसाफिरों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए गुजरात मेरी टाइम बोर्ड ने ऑपरेटर्स को तत्काल प्रभाव से फेरी सर्विस रोकने का आदेश दिया है। हालात की 5 दिसंबर को शाम समीक्षा की जाएगी, जिसके बाद अनुकूल परिस्थिति होने पर रो रो फेरी सर्विस 6 दिसंबर 2017 से पुन: शुरू की जाएगी। गौरतलब है कि घोघा-दहेज रो रो फेरी सर्विस का प्रथम चरण 22 अक्टूबर 2017 को प्रारंभ किया गया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट का लोकार्पण किया था। रो रो फेरी सर्विस प्रारंभ होने से दक्षणि गुजरात और सौराष्ट्र के बीच यात्रा का समय 9 घंटे से घटकर 2 घंटे रह गया। रो रो फेरी सर्विस के लिए दो पैसेंजर टर्मिनल बनाए गए हैं।

कांग्रेस और भाजपा के घोषणा पत्र अभी तक जारी नहीं

अहमदाबाद। गुजरात विधानसभा चुनाव के प्रथम चरण के मतदान की तिथियों में केवल 1 सप्ताह का समय शेष रह गया है। किंतु अभी तक कांग्रेस और भाजपा ने अपने घोषणापत्र जारी नहीं किए हैं। दोनों ही राजनीतिक दलों में इन दिनों चूहे और बिल्ली वाला खेल चल रहा है। पहले आप और पहले आप की तर्ज पर अभी तक दोनों ही राजनीतिक दलों ने अपने अपने घोषणापत्र को अंतिम रूप नहीं दिया है। उल्लेखनीय हैं, राहुल गांधी ने सरकार बनने पर 10 दिनों के अंदर किसानों का कर्ज माफ करने की बात कही है। इसके बाद से ही भाजपा में खलबली मची हुई है। भाजपा के दिग्गज इसकी तोड़ निकालने में जुटे हुए हैं।

पीएम मोदी ने एसजीवीपी होलिस्टिक अस्पताल का उदघाटन किया

अहमदाबाद (ईएमएस) । गुजरात की चुनावी यात्रा पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अहमदाबाद के एसजी हाईवे स्थित एसजीवीपी होलिस्टिक अस्पताल का उदघाटन किया। एसजीवीपी कैम्प में स्वामीनारायण संतों ने कमल की माला पहनाकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत किया। दक्षणि गुजरात के भरूच में जनसभा को संबोधित करने के बाद पीएम मोदी ने सुरेन्द्रनगर में रैली को संबोधित किया और वहां से अहमदाबाद आए। अहमदाबाद में एसजीवीपी होलिस्टिक अस्पताल लोकार्पण के मौके पर शास्त्री माधवप्रियदास स्वामी समेत संत-महंत, हरिभक्त, गुजरात की पूर्व मुख्यमंत्री आनंदीबेन पटेल

और भाजपा के गुजरात प्रभारी खास मौजूद रहे। इस मौके पर पीएम मोदी ने अतीत को याद करते हुए कहा कि आप के बीच जब आता हूं तब ऐसा लगता है मैं परिवार में आ गया हूं। चुनाव के मौसम में ऐसा अवसर मिलना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। पीएम मोदी ने कहा कि हमने जेनरिक मेडिसीन के लिए देशभर में 1000 जितने जन औषधालय प्रारंभ किए हैं, जिसमें से गुजरात में डेढ़ सौ के करीब हैं। जन औषधालयों के प्रारंभ होने से लोगों को आज सस्ती दवाईयां उपलब्ध होने लगी हैं। एसजीवीपी अस्पताल में परंपरागत चिकित्सा पद्धति से चिकित्सा की जाएगी। आयुर्वेद विभाग में कैंसर, किडनी, सौंदर्य चिकित्सा, पंचकर्म, व्यसन मुक्ति इत्यादि की सुविधा उपलब्ध है। एलोपेथी विभाग में न्यूरो सर्जरी, कार्डियाक सर्जरी, प्लास्टिक सर्जरी, मानसिक रोग, कैंसर सर्जरी, फिजियोथेरापी, रेडियोलोजी इत्यादि की जाएगी। अस्पताल में योग के जरिए भी चिकित्सा की जाएगी।

गुजरात यात्रा के दौरान राहुल गांधी अब मंदिर नहीं जाएंगे

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात विधानसभा के पहले चरण के चुनाव के लिए राज्य के मुख्य राजनीतिक दल भाजपा और कांग्रेस के बीच जबर्दस्त प्रचार युद्ध छिड़ा हुआ है। हाल ही में कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी को सोमनाथ मंदिर में दर्शन के बाद उत्पन्न विवाद से गुजरात समेत देश की राजनीति गरमाई गई थी। 5 दिसंबर से फिर एक बार गुजरात की तीन दिवसीय यात्रा पर राहुल गांधी आ रहे हैं और इस बार उनका किसी मंदिर में जाने का अब तक कार्यक्रम तय नहीं हुआ है। 25 अक्टूबर से गुजरात में धुंआधार प्रचार कर रहे राहुल गांधी अब तक राज्य के ज्यादातर मंदिरों में दर्शन कर चुके हैं, लेकिन कल से प्रारंभ होनेवाली यात्रा में किसी मंदिर में नहीं जाने का कार्यक्रम राजनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बन गया है। 5 दिसंबर को दोपहर कच्छ के अंजार में जनसभा संबोधित कर राहुल गांधी अपनी तीन दिवसीय यात्रा का आगाज करेंगे। हाल ही में कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी को सोमनाथ मंदिर में दर्शन के बाद उत्पन्न विवाद से गुजरात समेत अंजार से राहुल गांधी मोरबी और ध्रांगध्रा में जनसभा को संबोधित करेंगे। रात को सुरेन्द्रनगर के एमपी शाह सायंस कॉलेज मैदान में जनसभा को संबोधित करने के बाद रात्रि विश्राम सुरेन्द्रनगर सर्किट हाउस में करेंगे।

हम निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित करेंगे: चुनाव आयोग

अहमदाबाद (ईएमएस)। चुनाव आयोग ने कहा है कि उसने गुजरात में चुनाव मशीनरी को मुक्त, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव की व्यापक योजना और प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। चुनाव आयोग ने गुजरात में चुनाव तैयारियों की समीक्षा की। मुख्य चुनाव आयुक्त एके जोति ने बताया कि राज्य मशीनरी को निर्देश दिया गया है कि वह राजनीतिक पार्टियों की चिंताओं के समाधान के लिए प्रभावी निगरानी, सतर्कता और योजना सुनिश्चित करे तथा मतदाताओं में विश्वास बढाये। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग राजनीतिक दलों द्वारा दिये गए सुझावों पर विचार कर रहा है। चुनाव आयोग ने गुजरात में चुनाव तैयारियों की समीक्षा की। मुख्य चुनाव आयुक्त एके जोति ने बताया कि राज्य मशीनरी को निर्देश दिया गया है कि वह राजनीतिक पार्टियों की चिंताओं के समाधान के लिए प्रभावी निगरानी, सतर्कता और योजना सुनिश्चित करे तथा मतदाताओं में विश्वास बढाये। विभिन्न राजनीति दलों ने मांग की है कि अधिकारियों को उसी बूथ पर तैनात नहीं किया जाए, जिस पर वे 2012 में तैनात थे। हम इस मांग पर विचार कर रहे हैं।

गुजरात विस चुनाव में सभी बूथों पर होंगी वीवीपैट मशीनें

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात विधानसभा चुनाव में सभी 18 2 विधानसभाओं में ईवीएम के साथ वीवीपैट (वोटर वेरिफाएबल ऑडिट ट्रेल) मशीनें भी लगाई जाएंगी। अहमदाबाद में मुख्य चुनाव आयुक्त एके ज्योति ने रविवार को यहां एक प्रेस वार्ता में बताया कि सभी 182 विधानसभाओं के 50,264 बूथों पर ईवीएम (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन) के साथ वीवीपैट (वोटर वेरिफाएबल ऑडिट ट्रेल) मशीनें लगाई जाएंगी। उन्होंने कहा कि अगर किसी उम्मीदवार को लगता है कि ईवीएम में गड़बड़ी है तो वह रिटर्निंग ऑफिसर को बता सकता है। रिटर्निंग ऑफिसर वीवीपैट मशीनों से पर्ची निकालकर उसी समय ऐसी संभावना की जांच कर सकता है। ईवीएम पर उठ रहे सवालों का जवाब देते हुए ज्योति ने कहा कि यूपी में हुआ निकाय चुनाव राज्य चुनाव आयोग के अंतर्गत हुआ है। इसमें केंद्रीय चुनाव आयोग का दखल नहीं होता। उन्होंने बताया कि दोनों चुनाव आयोग अलग-अलग मशीनों से चुनाव कराते हैं। गुजरात विधानसभा चुनाव दो चरणों में कराए जाएंगे। पहले चरण + का चुनाव 9 दिसंबर (89 विधानसभा सीटों के लिए), जबकि दूसरे चरण का चुनाव 14 दिसंबर (93 विधानसभा सीटों के लिए) को होगा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा तासीलोक पब्लिकेशन 152,153 श्री राम इंडस्ट्रीयल एरिया पांडेसरा सूरत 394210 से मुद्रत, एवं 4 ओ-ब्लाक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष सचीन रेल्वे स्टेश के पास, सूरत, जि. सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com